Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
PGDVD-105

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester: First

दर्शन : प्रश्न-पत्र : पंचम

वैदिक साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. श्रीमद् वाल्मीकीय रामायण के अनुसार भरत जी के चरित्र का विस्तृत वर्णन करें।
2. श्रीमद्भगवद् गीता के अनुसार "स्थितप्रज्ञ" पुरुष के लक्षणों को विस्तारपूर्वक समझाइये।
3. स्वाध्यायामृत में वर्णित वेदमन्त्रों से 'संगठनसूक्त' तथा 'पुरुषसूक्त' का मन्त्र सहित विस्तृत वर्णन करें।
4. श्रीमद्भगवद् गीता में यज्ञ की महिमा को सूत्र सहित वर्णन करें।
5. याज्ञवल्क्य - मैत्रेयी संवाद को विस्तार से वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. "वेदाहमेतं पुरुषं महान्तम् ....." इस मन्त्र को पूर्ण करें और व्याख्या करें।
7. प्रजापति के द-द-द के उपदेश का उल्लेख कीजिये।
8. श्रेष्ठ पुरूष को सदाचरण क्यों करना चाहिये। समझाइये।
9. "अन्तिम समय में जो भाव होता है, आत्मा उसी प्रकार की गति को प्राप्त करता है।" - सिद्ध कीजिये।
10. श्रीमद्भगवद् गीता के अनुसार, चंचल मन को वश में करने के उपाय लिखिये तथा उन्हें समझाइये।
11. श्रीमद्भगवद् गीता के अनुसार, योग का क्या स्वरूप हैं? स्पष्ट कीजिये।
12. श्रीमद्भगवद् गीता के अनुसार ज्ञान की महिमा का वर्णन कीजिये।

----------X----------